


---

---

---

---

---

---

---

---

**Discussion Questions**  
**Words of Jesus: By Your Fruit (Luke 6:43-49)**

1. What does it mean to be a follower/disciple of Jesus?
2. How do the belief requirements necessary for salvation differ from the beliefs we hold as disciples/followers of Jesus?
3. How does the following passage shape our lives as Jesus followers?  
 "Luke 3:8 (NLT) -- Prove by the way you live that you have repented of your sins and turned to God."
4. Reflecting on Luke 6:43, how do we reconcile Jesus' statement with the reality sometimes godly people do bad things?

---

---

---

---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

**A TREE & ITS FRUIT**  
 Luke 6:43-45

---

---

---

---

---

---

---

---

**EXAMPLES OF JESUS FRUIT**  
 Luke 6:27-42

---

---

---

---

---

---

---

---

**Luke 6:37-38 (NIV)**

“But to you who are listening I say: (1) Love your enemies, (2) do good to those who hate you, (3) bless those who curse you, (4) pray for those who mistreat you. (5) If someone slaps you on one cheek, turn to them the other also.

**Examples of Jesus Fruit**

---

---

---

---

---

---

---

---

Luke 6:37-38 (NIV)

(6) If someone takes your coat, do not withhold your shirt from them. (7) Give to everyone who asks you, and (8) if anyone takes what belongs to you, do not demand it back. (9) Do to others as you would have them do to you.

Examples of Jesus Fruit

---

---

---

---

---

---

---

---

Luke 6:37-38 (NIV)

(10) "Do not judge, and you will not be judged. (11) Do not condemn, and you will not be condemned. (12) Forgive, and you will be forgiven. Give (#7-repeated), and it will be given to you."

Examples of Jesus Fruit

---

---

---

---

---

---

---

---

Galatians 5:22-23 (NIV)

But the fruit of the Spirit is love, joy, peace, forbearance, kindness, goodness, faithfulness, gentleness and self-control. Against such things there is no law.

Examples of Jesus Fruit

---

---

---

---

---

---

---

---

**THE ULTIMATE JESUS FRUIT**  
 Luke 6:46-49

---

---

---

---

---

---

---

---

**Foundation Equations**  
 Hearing + Practice = **Obedience (Solid Foundation)**  
 Hearing – Practice = **Disobedience (No Foundation)**

---

---

---

---

---

---

---

---

**Luke 3:7-9 (NIV)**

John said to the crowds coming out to be baptized by him, "You brood of vipers! Who warned you to flee from the coming wrath? Produce fruit in keeping with repentance.

The Ultimate Jesus Fruit

---

---

---

---

---

---

---

---

Prove by the way you live that you have repented of your sins and turned to God.

— Luke 3:8 (NLT)

---

---

---

---

---

---

---

---

**REPENTANCE**

**Greek: metanoia [μετάνοια]**

- Change of mind, repentance. In the NT or Jewish thought, primarily refers to a complete//total change of one's orientation toward following or returning to God.

Lesley DiFrancisco, "Repentance," ed. Douglas Mangum et al., Lexham Theological Wordbook, Lexham Bible Reference Series (Bellingham, WA: Lexham Press, 2014).

---

---

---

---

---

---

---

---

**1** Obedience to Jesus is the only fruit that keeps with repentance.

---

---

---

---

---

---

---

---

**Luke 3:7-9 (NIV)**

The ax is already at the root of the trees, and every tree that **does not produce good fruit** will be cut down and thrown into the fire.”

The Ultimate Jesus Fruit

---

---

---

---

---

---

---

---

**ILLUSTRATION**  
GPS Example

---

---

---

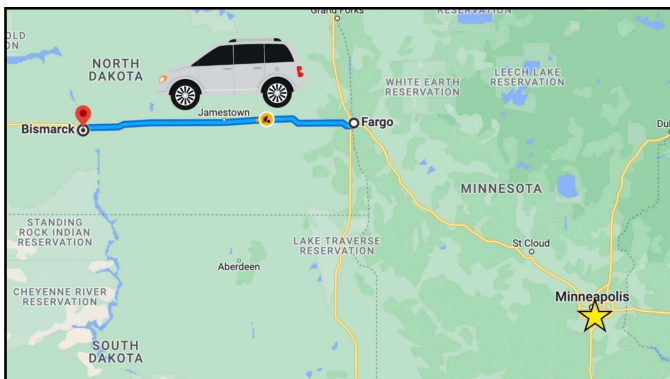
---

---

---

---

---



---

---

---

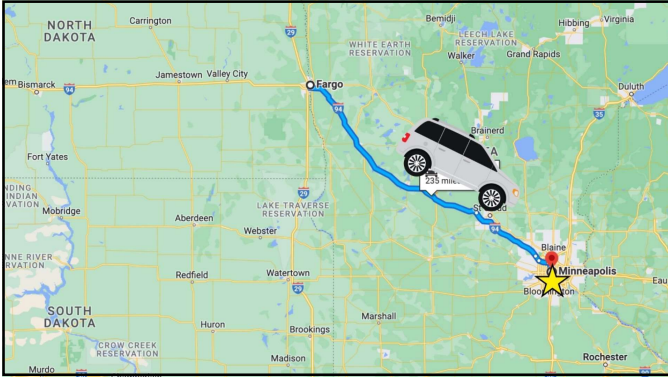
---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

**John 14:15** — “If you love me, keep my commands.”

**John 14:23-24** — Jesus replied, “Anyone who loves me will obey my teaching...<sup>24</sup> Anyone who does not love me will not obey my teaching.”

---

---

---

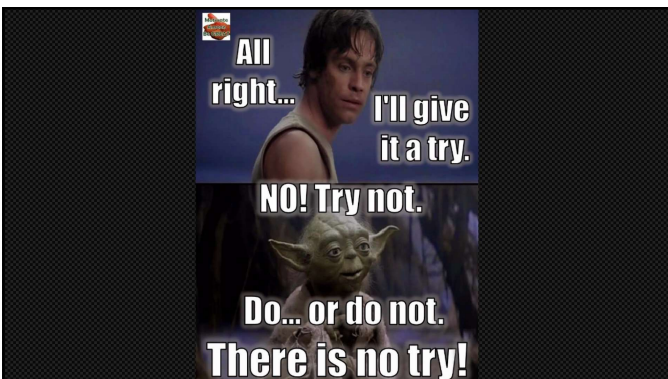
---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

**HOW DO WE PRODUCE GOOD FRUIT?**

- 1. Repent & commit to follow Jesus  
(Matthew 3:2, 4:17, Mark 1:15)
- 2. Stay in God's Word (Psalm 119:11)
- 3. Live in the power of the Holy Spirit (Acts 1:8)
- 4. Discipline your life and decision-making in a way that honors God (1 Thessalonians 5:22)

---

---

---

---

---

---

---

---

**BILLY GRAHAM'S — 2<sup>nd</sup> RULE OF INTEGRITY**

We all knew of evangelists who had fallen into immorality while separated from their families by travel. We pledged among ourselves to avoid any situation that would have even the appearance of compromise or suspicion. From that day on, I did not travel, meet or eat alone with a woman other than my wife. We determined that the Apostle Paul's mandate to the young pastor Timothy would be ours as well: "Flee ... youthful lusts" (2 Timothy 1:22, KJV).

---

---

---

---

---

---

---

---

**2**

God wouldn't put the seed in your heart if He didn't think you could bring forth a harvest.

---

---

---

---

---

---

---

---



**We have all produced bad fruit.  
So, how can you tell who is a  
good tree and a bad tree?**

---

---

---

---

---

---

---

---

**GOD is the only one qualified to judge  
fruit accurately.**

— But the LORD said to Samuel, “Do not consider his appearance or his height, for I have rejected him. The LORD does not look at the things people look at. People look at the outward appearance, but the LORD looks at the heart.”

— 1 Samuel 16:7 (NIV)

---

---

---

---

---

---

---

---

**ILLUSTRATION  
Good vs Bad Fruit**

---

---

---

---

---

---

---

---

**Romans 8:28 (NKJV)**

And we know that all things work together for good to those who love God, to those who are the called according to His purpose.

God Defines Fruit

---

---

---

---

---

---

---

---

**3**

**God can make good things from bad fruit.**

---

---

---

---

---

---

---

---

**ACTION ITEM**

- 1) In the next 24-48 hours, write down one area that where you are producing bad fruit (living wrongly).
- 2) Then commit to be obedient to Christ by turning from it, no matter what it takes.

---

---

---

---

---

---

---

---